रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 23 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 75 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

महामहिम और संत-वृंदावन में हुई एक प्रेरणादायक मुलाकात

द्रौपदी मुर्मू और स्वामी प्रेमानन्द जी महाराज की वृन्दावन में हुई मुलाकात ने आध्यात्म, सादगी और मानवीय मूल्यों का एक अनूठा संगम प्रस्तुत किया

राजेश धाकड़

राष्ट्रपति के रूप में देश की सर्वोच्च संवैधानिक जिम्मेदारी निभा रहीं द्रौपदी मुर्मु और भक्ति के मार्ग पर अग्रसर संत प्रेमानंद जी—दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में प्रेरणा के स्रोत हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का व्यक्तित्व असाधारण दृढ़ता, विनम्रता और धैर्य का प्रतीक है। एक साधारण परिवार से निकलकर देश की प्रथम नागरिक बनने तक का उनका सफर संघर्षों से भरा रहा है। अपने जीवन में उन्होंने कई व्यक्तिगत आघात सहे—पति, पुत्रों, माता और भाई को खोने के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनके चेहरे की शांति, व्यवहार की सरलता और शब्दों की मर्यादा उन्हें एक संत-स्वभाव नेता के रूप में स्थापित करती है। वे न केवल देश की राष्ट्रपति हैं, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए धैर्य और संयम की मिसाल भी हैं। वहीं, वृंदावन में स्थित

अपने आश्रम में स्वामी प्रेमानंद जी महाराज भक्ति और आध्यात्म की गंगा बहा रहे हैं। उनका जीवन सादगी, स्पष्टता और सच्चाई का उदाहरण है। वे कभी भी अंधविश्वास या भ्रम फैलाने के पक्षधर नहीं रहे। हाल ही में एक प्रसंग में, जब एक व्यक्ति अपनी बीमारी लेकर उनके पास पहुंचा, तो उन्होंने उसे सीधे अस्पताल जाने की सलाह दी। यह उनके व्यवहारिक दृष्टिकोण और सच्ची संत प्रवृत्ति को दर्शाता है—जहां आस्था के साथ-साथ यथार्थ को भी महत्व दिया जाता है।

इस मुलाकात ने यह संदेश दिया कि चाहे राजनीति का शिखर हो या अध्यात्म का मार्ग—सादगी, करुणा और सत्यनिष्ठा ही सबसे बड़ी शक्ति है। एक ओर राष्ट्र की प्रथम नागरिक, दूसरी ओर भक्ति के पथप्रदर्शक संत—दोनों का यह मिलन समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज के समय में, जब समाज में विभाजन और कटुता के स्वर सुनाई देते हैं, ऐसे व्यक्तित्व हमें याद दिलाते हैं कि विनम्रता, सहनशीलता और सकारात्मकता ही सच्ची प्रगति का आधार हैं।

48 घंटे में होर्मुज खोल दो वरना तबाह कर देंगे पावर प्लांट

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को अब तक की सबसे कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि अगर अगले 48 घंटों के भीतर ईरान ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को पूरी तरह से नहीं खोला, तो अमेरिका ईरान के बिजली घरों को नेस्तनाबूद कर देगा। अमेरिका उनके विभिन्न पावर प्लांट को निशाना बनाएगा और उन्हें मिटा देगा। ट्रंप ने चेतावनी दी कि हमलों की शुरुआत ईरान के सबसे बड़े बिजली घर से की जाएगी।' ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन वे फिलहाल किसी भी तरह की बातचीत के मूड में नहीं हैं। उन्होंने लिखा, 'उनका नेतृत्व खत्म हो चुका है, उनकी नौसेना और वायु सेना मर चुकी है, उनके पास कोई बचाव नहीं है।'

क्यों अहम है होर्मुज का रास्ता?

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की 'ऊर्जा नस' मानी जाती है। दुनिया के कुल तेल का लगभग 20%, करीब 2 करोड़ बैरल प्रतिदिन इसी संकरे रास्ते से गुजरता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) ने इसे वैश्विक तेल बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा व्यवधान बताया है। ईरान द्वारा इस रास्ते को बंद करने के कारण कच्चे तेल की कीमतें $100 प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिससे पूरी दुनिया में महंगाई का खतरा बढ़ गया है।

'दूसरे देश खुद करें सुरक्षा'

ट्रंप ने यह भी साफ किया कि अमेरिका अकेले इस रास्ते की सुरक्षा का ठेका नहीं लेगा। ट्रंप का कहना है कि जो देश इस रास्ते का उपयोग करते हैं, उन्हें इसकी सुरक्षा और पुलिसिंग की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक बार जब ईरान का खतरा खत्म हो जाएगा, तो इन देशों के लिए इस रास्ते को सुरक्षित रखना एक 'आसान सैन्य ऑपरेशन' होगा। अमेरिका केवल जरूरत पड़ने पर सहायता करेगा।

भारतीय राजनीति में PM मोदी के नाम दर्ज हुआ एक और अहम रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय राजनीति में आज नया इतिहास रच दिया है. मोदी ने कुल 8,931 दिन सरकार के मुखिया के रूप में पूरे कर लिए हैं, जिसमें उनका गुजरात के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है. यह सफर 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुआ था, जो आज 2026 में प्रधानमंत्री के तीसरे कार्यकाल के साथ एक नए शिखर पर पहुंच गया है. इससे पहले यह रिकॉर्ड पवन कुमार चामलिंग के नाम था, जिन्होंने सिक्किम के मुख्यमंत्री के तौर पर 8,930 दिन तक पद संभाला था. यह उपलब्धि कई मायनों में महत्वपूर्ण है।

क्यों खास है पीएम मोदी की यह उपलब्धि?

पीएम मोदी की यह उपलब्धि केवल अंकों का खेल नहीं है, बल्कि मोदी के प्रशासनिक कौशल और जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है. इस रिकॉर्ड के साथ उनके नाम कई और उपलब्धियां भी जुड़ी हैं. मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में 12 साल से अधिक का लंबा जमीनी अनुभव रहा है. वे स्वतंत्रता के बाद पैदा होने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने सत्ता के शीर्ष तक का सफर तय किया। साल 2014, 2019 और 2024-लगातार तीन लोकसभा चुनावों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी लोकप्रियता को साबित किया है. वे गुजरात के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री भी रहे हैं।

चामलिंग और मोदी: एक तुलना

पवन कुमार चामलिंग ने जहां एक राज्य (सिक्किम) के मुख्यमंत्री के तौर पर अपना पूरा रिकॉर्ड बनाया था, वहीं पीएम मोदी ने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर पूर्ण बहुमत की सरकारें चलाकर यह मुकाम हासिल किया है. मोदी के इस रिकॉर्ड में 12 साल से ज्यादा का समय गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और शेष कार्यकाल देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शामिल है।।

इंदौर: पूर्व सांसद नकुल नाथ का आगमन

कार्यकर्ताओं से मुलाकात और शोक संवेदना के कार्यक्रमों में हुए शामिल

राजेश धाकड़

इंदौर। नकुल नाथ का इंदौर दौरा आज निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न हुआ, जहां उनके आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला। दोपहर करीब 2:30 बजे वे छिंदवाड़ा से विमान द्वारा इंदौर पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने उनकी अगवानी की।

एयरपोर्ट से निकलते ही नकुल नाथ सीधे वरिष्ठ कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा के निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके बाद उनका काफिला विनय बाकलीवाल के निवास पहुंचा, जहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

यहां नकुल नाथ ने कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद किया और संगठन को मजबूत बनाने, जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान भी किया।

दौरे के अगले चरण में नकुल नाथ विजय नगर स्थित प्रवेश अग्रवाल के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की। यहां भी संगठनात्मक मुद्दों और क्षेत्रीय राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पूरा दिन व्यस्त कार्यक्रमों में शामिल रहने के बाद नकुल नाथ शाम करीब 5 बजे इंदौर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए और निर्धारित समयानुसार शाम 5:30 बजे दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। उनके इस संक्षिप्त लेकिन महत्वपूर्ण दौरे ने स्थानीय कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा का संचार किया है और कार्यकर्ताओं में आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर उत्साह बढ़ा है।

ईद का त्योहार

भाईचारे और खुशियों का दिन

खुशबू श्रीवास्तव

मुस्लिम समाज में रमजान का महीना बहुत पवित्र होता है। इसमें लोग 30 दिन रोजे रखते हैं। रोजे पूरे होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है, जो खुशियों और आपसी प्रेम का संदेश देता है। बैग परिवार में ईद की खुशियां मनाई गई, सभी धर्म के लोगों ने निवास पहुंचकर दी बधाई।। आज ईद के मौके पर संस्था सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग के घर पर अलग-अलग समाज के लोग पहुंचे और ईद की बधाई दी। बैग परिवार ने सभी का स्वागत किया और मिठाई खिलाकर खुशियां बांटी। एवं सर्वधर्म संघ के अध्यक्ष मंजूर बैग ने सभी माँ अहिल्या के नगर वासियों को बधाई प्रेषित की। इस दौरान मुकेश बजाज, यूनुस खान, फैजान बैग, समीर बैग, राजू पठान, सतीश शर्मा, रियाज खान आदि लोग मौजूद रहे।

अवैध रेत परिवहन में ट्रैक्टर पालटा

चालक सहित आठ घायल तीन गंभीर

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले में रेत का ठेका नहीं होने रेत माफियाओं के हौसले को बुलंद कर रहा है जिसका नतीजा अब लगातार खतरनाक और जानलेवा हादसों के रूप में सामने आ रहा है। ताजा मामला शहडोल संभागीय मुख्यालय से लगे सोहागपुर थाना क्षेत्र के बिजौरी का है, जहां अवैध रेत उत्खनन के दौरान माइनिंग टीम के आने की सूचना मिलते ही भगदड़ मच गई और रेत से भरा ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर में सवार और करीब 8 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से 3 की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों का इलाज जिले के एक निजी अस्पताल में चल रहा।

घायलों में अमन बैगा पिता जग्गू बैगा, दैय्या पिता बिसाहू (50 वर्ष), रनिया पति गुड्डू, बुदनी पति लल्लू, शनि पिता रामचंद्र (17 वर्ष), संतु पिता डेलू (16 वर्ष), गणेश पिता दीनदयाल और सूरज पिता बबलू (24 वर्ष) शामिल हैं। हादसे के बाद रेत माफियाओं द्वारा पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए घायलों को जिला अस्पताल न ले जाकर सीधे संभाग के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार गणेश समेत तीन मजदूरों की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिजौरी स्थित नदी से लंबे समय से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का खेल जारी है। घटना के समय भी मजदूर ट्रैक्टर में रेत लोड कर रहे थे। तभी माइनिंग टीम की कार्रवाई की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान मजदूरों से भरा ट्रैक्टर तेजी से भागने लगा, लेकिन चालक संतुलन खो बैठा और ट्रैक्टर पलट गया, जिससे मजदूर उसकी चपेट में आ गये गौरतलब है कि शहडोल जिले के लगभग सभी नदी-नालों से रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन बेखौफ जारी है। सबसे बड़ी बात यह है कि संभागीय मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय और निवास होने के बावजूद यह काला कारोबार खुलेआम चल रहा है। पहले भी रेत माफिया के कारण कई गंभीर घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें एक पटवारी और एक पुलिस एएसआई की कुचलकर मौत तक हो चुकी है, जबकि कई बार तहसीलदार, फॉरेस्ट और माइनिंग टीम पर हमले भी हो चुके हैं। इसके बावजूद पुलिस और संबंधित विभाग प्रभावी कार्रवाई करने में नाकाम नजर आ रहे हैं। नतीजा यह है कि अवैध रेत खनन का यह कारोबार अब सीधे तौर पर लोगों की जान पर भारी पड़ रहा है और प्रशासन किसी बड़ी घटना की प्रतिक्षा में दिखाई दे रहा है।

मुसाखेड़ी क्षेत्र में युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किया, ब्लैकमेल के आरोप-जांच शुरू

इंदौर। मुसाखेड़ी पंचशील कॉलोनी क्षेत्र में गुरुवार रात विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले किए जाने का मामला सामने आया है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि युवक नाम बदलकर युवतियों के साथ गलत गतिविधियों में संलिप्त था और उन्हें फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देकर ब्लैकमेल करता था। जानकारी के अनुसार, कार्यकर्ताओं को सूचना मिली थी कि एक युवक को शेखर चौधरी के मकान में छिपाकर रखा गया है। सूचना के आधार पर कार्यकर्ताओं ने मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ा और पुलिस को बुला लिया। बताया जा रहा है कि युवक के पास से कई दस्तावेज और आधार कार्ड भी बरामद हुए हैं। कार्यकर्ताओं का दावा है कि युवक ने प्रारंभ में अपना नाम मनोज राठौर बताया, लेकिन पूछताछ के दौरान उसने अपना वास्तविक नाम रुबाब शाह बताया।

एनसीएलटी विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल शुभारंभ

अनिल चौधरी

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (ICSI) के इंदौर चैप्टर द्वारा दिनांक 21 मार्च 2026 को प्रीतमलाल दुआ सभागार, इंदौर में "नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (NCLT)" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल शुभारंभ किया गया। इंदौर चैप्टर के चेयरमैन सीएस अंकित मेड़तवाल ने बताया की प्रथम सत्र में वडोदरा से पधारे प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी सीएस नीरज त्रिवेदी ने "NCLT/NCLAT के समक्ष ड्राफ्टिंग एवं प्लीडिंग की कला" विषय पर विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने प्रभावी ड्राफ्टिंग के महत्वपूर्ण पहलुओं एवं न्यायाधिकरण के समक्ष प्रस्तुतीकरण की तकनीकों पर प्रकाश डाला।

इसके उपरांत विशेष सत्र में Official Liquidator (MCA) श्री श्याम नारायण तिवारी के साथ एक संवाद आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने प्रश्नों के समाधान प्राप्त किए एवं व्यावहारिक अनुभवों को जाना। द्वितीय सत्र में मुंबई से आई कॉर्पोरेट एवं आर्बिट्रेशन कंसल्टेंट अधिवक्ता प्राची मानेकर ने "मर्जर एवं अधिग्रहण, NCLT के अंतर्गत क्लास एक्शन तथा IBC/NCLT के महत्वपूर्ण केस लॉ" विषय पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने नवीनतम न्यायिक निर्णयों एवं उनके व्यावहारिक प्रभावों पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम का प्रथम दिवस ज्ञानवर्धक सत्रों एवं सक्रिय सहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यशाला का द्वितीय दिवस 22 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें "Oppression and Mismanagement" विषय पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।इंदौर चैप्टर द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को NCLT से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान एवं अद्यतन विधिक समझ प्रदान करना है। प्रोग्राम में केंद्रीय परिषद् सदस्य सीएस आशीष करोड़िया , इंदौर चैप्टर की सचिव सीएस सुरभि अग्रवाल सहित कंपनी सेक्रेटरी पेशेवरों, विद्यार्थियों एवं कॉर्पोरेट क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इंदौर में पुलिस का एक्शन: जिला बदर बदमाश दबोचा, शहर में घुसते ही धराया

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का सख्त रुख जारी है। इसी कड़ी में थाना छत्रीपुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला बदर घोषित शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी कृष्णा उर्फ किन्ना (22 वर्ष), जो कि सम्राट नगर का निवासी है, जिला बदर होने के बावजूद चोरी-छिपे शहर में घुस आया था। पुलिस को जैसे ही इसकी भनक लगी, तुरंत जाल बिछाया गया और आरोपी को घेराबंदी कर दबोच लिया गया।

सूत्रों के मुताबिक

आरोपी के खिलाफ शहर के अलग-अलग थानों में करीब एक दर्जन गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके बावजूद वह कानून को ठेंगा दिखाकर दोबारा इंदौर में सक्रिय होने की फिराक में था। पुलिस ने साफ कर दिया है कि शहर में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करने पर आरोपी के खिलाफ मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव और उनकी टीम की सतर्कता और तेजी से काम करने की अहम भूमिका रही।

इंदौर में घरेलू गैस का दुरुपयोग, ठेकेदार की दबंगई-पत्रकारों से अभद्रता

खुशबू श्रीवास्तव

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक ओर जहां आम जनता गैस की किल्लत से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर बाणगंगा थाना क्षेत्र के ब्रिज के पास कुछ रसूखदार ठेकेदार खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते नजर आए।

जब इस मामले की जानकारी लेने के लिए पत्रकार मौके पर पहुंचे, तो संबंधित ठेकेदार ने न सिर्फ सवालों से बचने की कोशिश की, बल्कि अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए धमकी भरे अंदाज में कहा कि "मेरा पूरे शहर में 100 करोड़ का काम चल रहा है, तुम जैसे कई पत्रकार आते हैं, हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते, हम ऐसे ही काम करेंगे।" इतना ही नहीं, ठेकेदार ने यह भी दावा किया कि यह क्षेत्र शुक्ला परिवार का है। हालांकि जब इस विषय में शुक्ला परिवार से बात की गई, तो उन्होंने इस पूरे मामले से अपना पल्ला झाड़ते हुए किसी भी प्रकार की जानकारी या संबंध से इनकार कर दिया। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब ठेकेदार ने आक्रामक रुख अपनाते हुए पत्रकारों को मौके से धक्का देकर बाहर निकाल दिया।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई करेगा? क्या घरेलू गैस के दुरुपयोग और पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले इस ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा, या फिर मामला यूं ही दबा दिया जाएगा?

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 23 मार्च 2026

देवी दुर्गा स्वरूप में हृदय चक्र पर निवास करती हैं

चैत्र नवरात्रि का आगमन अर्थात् शक्ति की आराधना का पर्व उल्लास उमंग और नव सृजन का पर्व। स्वयं शक्ति स्वरूपा सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने नवरात्रि के संदर्भ में अपना संदेश दिया है कि, हम अपने 'शास्त्रों' में देवी के कई वर्णन पाते हैं। वे सब बिलकुल सही हैं। कुछ गलत नहीं लिखा है। लेकिन उन्हें और उनके महत्व को गहराई से समझने के लिए, आपको सहजयोग के माध्यम से वाइब्रेशंस को पहचानना होगा। हर शक्ति के अलग-अलग स्पंदन होते हैं। यह बहुत ही सूक्ष्म है। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ेंगे, आप अपनी विवेक शक्ति से इसे बेहतर ढंग से समझ पाएंगे। जब लोग उन्हें कभी चामुंडा और कभी किसी अन्य नाम से संबोधित करते हैं तो लोग भ्रमित हो जाते हैं। लेकिन शक्ति (देवी) के अलग-अलग रूप हैं। जब भी आवश्यकता होती है वह उस रूप का उपयोग करती हैं। ऐसा नहीं है कि ये दुर्गा हैं तो ये चामुंडा कौन हैं. वे सब वहाँ हैं। देवी की शक्ति के बिना कोई भी अवतार कोई कार्य नहीं कर सकता। चाहे गुरु हों, या श्री राम या श्री कृष्ण या श्री ईसा मसीह जैसे अवतार हों। हर कोई देवी की शक्ति से काम करता

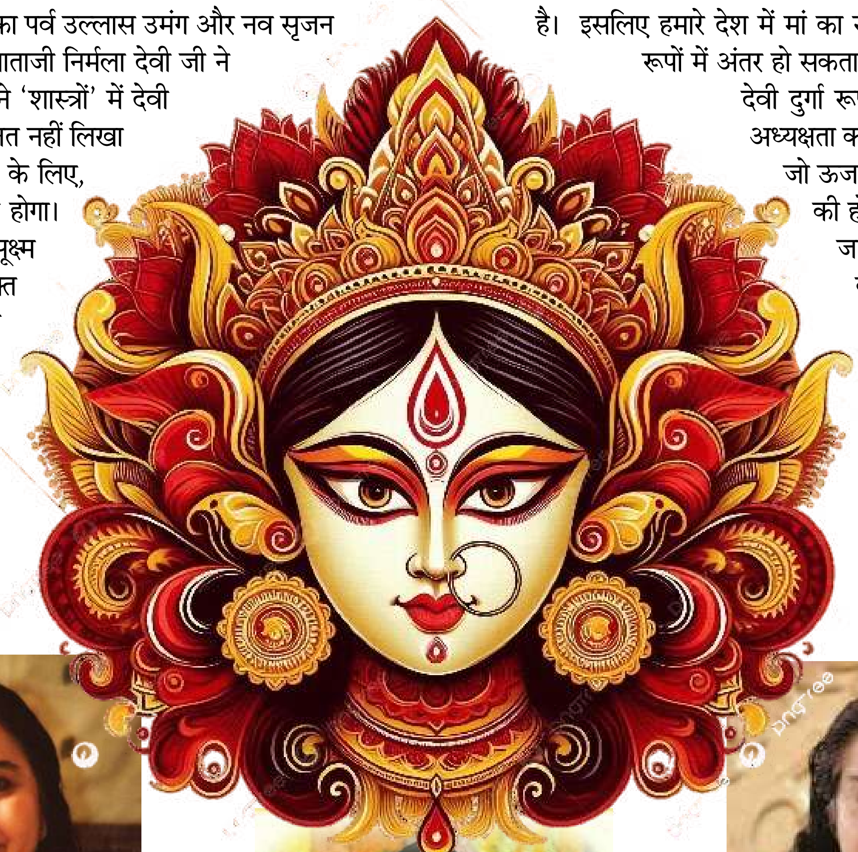

है। इसलिए हमारे देश में मां का सम्मान किया जाता है। भारतीय, शक्ति की पूजा करते हैं। रूपों में अंतर हो सकता है; लेकिन वास्तव में वे सभी शक्ति की पूजा कर रहे हैं। देवी दुर्गा रूप में हृदय चक्र में निवास करती हैं। वह हृदय चक्र की अध्यक्षता करती हैं। यह वास्तव में हृदय चक्र की शक्तियों में से एक है। जो ऊर्जा इस शक्ति को और अधिक प्रभावी बनाती है वह कुंडलिनी की होती है जब वह वहां आती है। कुण्डलिनी जब हृदय में आ जाती है, कुण्डलिनी जगदम्बा है! यह अम्बा है, जो इस शक्ति को बढ़ाती है। जब कोई व्यक्ति सहज योग को स्वीकार करता है; आत्मसाक्षात्कार के साथ-साथ यह शक्ति यहाँ हृदय में स्थित हो जाती है और उसकी पूर्ण रक्षा करती है। कोई उनका कुछ बिगाड़ नहीं सकता। उसके सिर का एक बाल भी छुआ नहीं जा सकता। लेकिन, आपको उन्हें शुद्ध प्रेम और भक्ति के साथ हृदय में स्थापित करना होगा। (05/04/2000, नवरात्रि पूजा) इस नवरात्रि आप अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा पंच महाभूतों के संरक्षण एवं जल संरक्षण हेतु जागरूकता अभियान का हुआ आयोजन

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। जिला शहडोल के विकासखंड ब्योहारी अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 1 आखेटपुर के ग्राम पपरेडी में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा पंच महाभूतों के संरक्षण एवं जल बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पंच तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु एवं आकाश का विधिवत पूजन कर प्रकृति के प्रति आस्था व्यक्त की गई तथा पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया गया। इसके उपरांत ग्राम में जल संरक्षण विषयक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को जल के महत्व, वर्षा जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रेरित किया गया।

रैली के माध्यम से "जल है तो कल है" का संदेश देते हुए लोगों को जल के समुचित उपयोग एवं संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ताओं, समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जल संरक्षण को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं जल संकट से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना रहा।

बुरहानपुरः जनहित और ग्रामीण मुद्दों की मुखर आवाज 'नवीन आड़े' बने भारतीय पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष

रणजीत टाईम्स- महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर - पत्रकारिता के माध्यम से शासन-प्रशासन और आम जनता के बीच सेतु का कार्य करने वाले वरिष्ठ पत्रकार श्री नवीन आड़े को भारतीय पत्रकार संघ (BPS) ने बुरहानपुर (मध्य प्रदेश) का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनके दीर्घकालीन पत्रकारिता अनुभव और ग्रामीण अंचलों में सामाजिक मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के समर्पण को देखते हुए की गई है।

ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं को दिलाई पहचान

नवीन आड़े की पहचान एक ऐसे पत्रकार के रूप में है जो न केवल समाचार लिखते हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के गंभीर और उपेक्षित सामाजिक मुद्दों को अपनी लेखनी से प्रशासन की चौखट तक पहुँचाते हैं। उन्होंने लगातार जनहित में पत्रकारिता करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर विशेष ध्यान दिया है। उनकी रिपोर्टिंग ने क्षेत्र के दबे-कुचले वर्गों की आवाज को प्रशासन के समक्ष मजबूती से रखा है, जिसके परिणाम स्वरूप कई बार प्रशासनिक कार्यवाही भी अमल में लाई गई है।

संगठन में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

दैनिक आगाज इंडिया समाचार पत्र के बुरहानपुर ब्यूरो चीफ के रूप में कार्यरत नवीन आड़े की इस नियुक्ति का आदेश भारतीय पत्रकार संघ के राष्ट्रीय महासचिव श्री विवेक पाराशर द्वारा जारी किया गया है। नियुक्ति पत्र के अनुसार, यह निर्णय राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री रणजीत सिंह ठाकुर के प्रस्ताव और राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित श्री बलराम मिश्र के मार्गदर्शन में लिया गया है।

संगठन का विश्वास और आगामी लक्ष्य

भारतीय पत्रकार संघ ने विश्वास जताया है कि नवीन आड़े के नेतृत्व में बुरहानपुर जिले में पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा, सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उनकी नियुक्ति से संगठन की एकता और पत्रकार कल्याण के कार्यों में और अधिक गति आएगी।

कार्यकालः यह नियुक्ति तत्काल

प्रभाव से एक वर्ष के लिए प्रभावी रहेगी। भविष्य की योजनाः उनसे अपेक्षा की गई है कि वे संगठन की नीतियों का पालन करते हुए सक्रिय रूप से पत्रकारों की समस्याओं का समाधान करेंगे।

शुभचिंतकों में हर्ष की लहर

नवीन आड़े को जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर बुरहानपुर और आसपास के क्षेत्रों के पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त किया है। लोगों का मानना है कि एक संवेदनशील और जनहित के मुद्दों को समझने वाले व्यक्ति के हाथ में कमान आने से स्थानीय पत्रकारिता और अधिक सशक्त होगी।

हर दिन बढ़ता संकट... बिजली और पानी पर आई जंग, ट्रम्प ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

होर्मुज स्ट्रेट खोलो वरना पॉवर प्लांट तबाह होंगे, ईरान ने दी पानी के सयंत्र उड़ा देने की धमकी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका, इजराइल और ईरान की जंग हर बीतते दिन के साथ भयावह होती जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने धमकी दी है कि इसके बाद ईरान के पावर प्लांट पर हमला किया जाएगा। इसके बाद ईरान ने भी गंभीर पलटवार करते हुए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के 'एनर्जी, आईटी और सबसे अहम डिसैलिनेशन प्लांट्स' (पानी साफ करने के सयंत्र) को निशाना बनाने की धमकी दे दी है। ऐसा हुआ तो अब जंग सीधे पानी की सप्लाई पर आ सकती है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रविवार को लिखा, अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के पॉवर प्लांट पर हमला करेगा और उन्हें तबाह कर देगा और शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। उधर ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फाघारी ने कहा कि अगर उनके पॉवर प्लांट पर अटैक हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे। हम पानी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करेंगे । दरअसल, गल्फ देशों की जमीन में तेल भरा हुआ है, लेकिन वह पानी से खाली हैं। ऐसे में वहां समुद्र के खारे

पानी को पीने लायक प्लांट लगे हैं। सऊदी अरब अपना करीब 70 पीने का पानी इन्हीं प्लांट्स से लेता है। कुवैत, ओमान और यूएई भी बड़ी मात्रा में इन्हीं पर निर्भर है। मतलब साफ है, अगर इन प्लांट्स पर हमला होता है, भयावह हालात होंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, तेल की सप्लाई रुकने से ज्यादा खतरनाक होगा पानी का संकट, क्योंकि इसके बिना जिंदगी रुक जाएगी।

दावा-ईरान ने अमेरिकी एफ-35 को गिराया

ईरान ने दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को गिराने का दावा किया है । ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के आईआरजीसी ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने एफ-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया।

पूरे क्षेत्र में फैल सकती है दहशत और अराजकता

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 1983 में सीआईए ने भी चेतावनी दी थी कि अगर इन प्लांट्स पर हमला हुआ, तो पूरे क्षेत्र में दहशत और अराजकता फैल सकती है। लोग शहर छोड़ने लगेंगे और हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। पर्यावरणीय खतरे भी बढ़ेंगे, क्योंकि इन प्लांट्स से जुड़े केमिकल्स अगर बाहर निकलते हैं तो समुद्री जीवन और इंसानों दोनों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। हालांकि अब तक बड़े स्तर पर इन प्लांट्स पर हमले नहीं हुए हैं। कुछ विशेषज्ञ इसे 'रणनीतिक संयम' मानते हैं, क्योंकि पानी पर हमला सीधे मानवता के खिलाफ माना जाएगा और इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी विरोध हो सकता है।

अमेरिका से एलपीजी लेकर मेंगलुरु पहुंचा शिप

मेंगलुरु. एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर एक कार्गो शिप आज मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में करीब चार जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य कैरियर शिवालिक और नंदा देवी भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। सरकार ने कहा है कि वे सभी सुरक्षित हैं।

पंजाब अफसर सुसाइड में पूर्व मंत्री और पिता पर एफआईआर

रंधावा की मां ने कहा - झाडू वाले मेरे बेटे को खा गए, पोस्टमॉर्टम से इनकार

अमृतसर/चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस में उनका परिवार आप सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर और उनके पिता सुखदेव भुल्लर की गिरफ्तारी पर अड़ गया है। रंधावा की सरकारी टीचर पत्नी उपिंदर कौर ने अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होती, वह पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। वहीं रंधावा की मां ने कहा कि झाडू वाले मेरे बेटे को खा गए। इन्होंने मेरे घर में ही झाडू फेर दिया। इससे पहले शनिवार आधी रात को पुलिस ने अमृतसर के रणजीत एवेन्यू थाने में पूर्व मंत्री भुल्लर, उनके पिता और पीए दिलबाग पर सुसाइड के लिए उकसाने समेत कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली। इसमें दिए बयान में पत्नी ने कहा कि भुल्लर ने पति को धमकाया कि गैंगस्टर मेरे पाले हुए हैं। तेरे पूरे परिवार को खत्म करने के लिए एक इशारा ही काफी है।

पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के साथ पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर।

नौ करोड़ के प्रतिबंधित चीनी वॉकी-टॉकी जब्त

जम्मू-कश्मीर. एजेंसी

राजस्व खुफिया निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 11,060 प्रतिबंधित वॉकी-टॉकी सेट और सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 9.25 करोड़ रुपये है।आधिकारिक बयान के अनुसार, मुंबई की दो फर्मों के मालिक, एक पिता-पुत्र की जोड़ी, को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि पिता-पुत्र ने बिना अनुमति के ये सामान आयात किया था।

हांगकांग से लंदन जा रही थी फ्लाइट

प्लेन में महिला की मौत, यात्रियों ने शव के साथ बिताए 14 घंटे

विक्टोरिया सिटी. एजेंसी

हांगकांग से लंदन जा रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में आज उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद 60 साल की एक महिला यात्री की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसके शव को करीब 14 घंटे की बाकी यात्रा के दौरान विमान के पिछले हिस्से में रखा गया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, एयरबस ए350-1000 के हांगकांग से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही महिला की मौत हो गई। मौत के बावजूद, पायलटों ने हांगकांग लौटने या रास्ता बदलने के बजाय हीथ्रो एयरपोर्ट तक का सफर जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि पैसेंजर की मौत को आम तौर पर मेडिकल इमरजेंसी नहीं माना जाता है। क्रू मेंबर्स ने शुरू में महिला के शव को टॉयलेट में रखने के बारे में सोचा, लेकिन इस विकल्प को सही नहीं माना गया। इसके बजाय, शव को लपेटकर पीछे की गैली में ले जाया गया। लैंडिंग के 45 मिनट बाद यात्रियों को उतरने की अनुमति दी गई।

मजबूत इरादे से सपने पूरे करने की कहानी, पिछले साल रेलवे सेवा के लिए चुने गए थे अजय

कम थी आँखों की रोशनी... पिता ने ऑटो चलाकर पढ़ाया, बेटा बना आईएएस अफसर

कोझिकोड. एजेंसी

प्रतिभा कभी सुविधाओं की मोहताज नहीं होती, वह अपना रास्ता खुद बना लेती है। असाधारण लोगों ने यह सच करके दिखाया है। ऐसी ही कहानी अजय आर राज की है, जिनकी बचपन में आंखों की रोशनी कम हो गई। लेकिन उनके पिता ने हार नहीं मानी और ऑटो चलाकर हर दिन बेटे को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

संघर्ष, आंसू और अनगिनत रातों की मेहनत से बेटे ने 2-2 बार UPSC जैसी कठिन परीक्षा क्रैक कर साबित कि सपने

सिर्फ आंखों से ही नहीं बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति से भी देखे जाते हैं। अजय आर राज केरल के कोझिकोड के थोट्टिलपलम के रहने वाले हैं। एक इंटरव्यू में वह बताते हैं कि उनका परिवार साधारण है। पिता ऑटो चालक हैं और मां गृहिणी हैं। इसलिए बचपन से ही पढ़ाई पर फोकस कर लिया था। पिता ने ऑटो चलाकर न सिर्फ घर के खर्चे पूरे किए बल्कि उनकी पढ़ाई के लिए हरसंभव जरूरतें पूरी कीं। जब वह 8-9 साल के थे तो उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई, जिससे जीवन मुश्किल बन गया। फिर भी उन्होंने हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और आगे बढ़ने का संकल्प लिया। दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपने सपने नहीं छोड़े। उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री हासिल की। यहीं से उनके सपने को बल मिल गया क्योंकि वह मानते हैं कि मेहनत और लगातार अभ्यास से किसी भी कमी को पीछे छोड़ा जा सकता है।

तैयारी के साथ कॉलेज में पढ़ाया

UPSC की तैयारी और अपने पहले 2-3 प्रयासों में अजय को कई बार असफलता का सामना करना पड़ा। कभी प्रीलिम्स में तो कभी मेंस में रुकना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आर्थिक चुनौतियों के बीच उन्होंने कॉलेज में पढ़ाना शुरू कर दिया था। वह अपनी तैयारी के साथ-साथ आगे बढ़ते रहे। लगातार प्रयास करते हुए अजय ने एक नहीं बल्कि 2 बार सफलता पाई। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 2025 के रिजल्ट में 109 वीं रैंक हासिल की। इससे पहले वे 730 वीं रैंक लाकर रेलवे सेवा में भी चुने गए थे लेकिन उन्होंने IAS के लिए दोबारा प्रयास किया । सफलता का श्रेय परिवार और शिक्षकों को दिया। उनकी कहानी सिखाती है कि मजबूत इरादे से हर सपना पूरा हो सकता है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 23 मार्च 2026

यहां कचरा ही करेंसी है!

गार्बेज सिटी में अपना भविष्य ढूंढते हजारों हाथों की कहानी

काहिरा, एजेंसी

दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है मिस्र। इस देश की राजधानी काहिरा की चकाचौंध से दूर, मुकट्टम पहाड़ियों की तलहटी में बसा एक ऐसा शहर है जिसे दुनिया गारबेज सिटी कहती है। इसका आधिकारिक नाम मनशियत नासिर है। यहां घर की छतें, गलियां और कमरों के बाहर का हिस्सा फर्नीचर से नहीं, बल्कि प्लास्टिक की बोतलों, टिन के डिब्बों और कागजों के ढेर से भरा होता है। लेकिन, यहां की लाइफस्टाइल को समझने के लिए आपको अपनी आंखों से गंदगी का चश्मा हटाकर मेहनत और हुनर का चश्मा पहनना होगा। अगर आप यहां पहली बार आएंगे, तो आपको लगेगा कि किसी विशाल डंपिंग यार्ड में आ गए हैं, लेकिन हकीकत में यह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे कुशल रीसाइक्लिंग हब है। यहां रहने वाले लगभग 2.5 लाख लोगों में 70 हजार लोग कचरे से जुड़े काम में लगे हुए हैं। इन्हें जबालिन कहा जाता है, जिसका अर्थ है कचरा उठाने वाले। इनकी सुबह मशीनी अलार्म से नहीं, बल्कि काहिरा से कचरा भरकर आने वाले ट्रकों की आवाज से होती है। यहां की जीवनशैली की बात करें तो यहां का हर घर एक छोटी फैक्ट्री है। जिसे हम कूड़ा समझकर फेंक देते हैं, ये लोग उसे करेंसी में बदलकर फैक्ट्रियों को बेचते हैं।

अमित शाह कल रास में पेश करेंगे सीएपीएफ से संबंधित विधेयक

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। राज्यसभा द्वारा जारी कार्यसूची में यह जानकारी दी गई है। सभी सीएपीएफ -केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) - अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं। इन अधिनियमों के तहत बने नियम सीएपीएफ में समूह 'ए' सामान्य ड्यूटी अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों और कर्मियों की भर्ती एवं सेवा शर्तों को नियंत्रित करते हैं। सूत्रों के अनुसार, कार्यगत और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के विस्तार तथा समय के साथ विकसित हुए प्रत्येक सीएपीएफ के विशिष्ट संगठनात्मक ढांचे के कारण इस कानून की आवश्यकता पड़ी।

मथुरा में अफवाहों से भड़का बवाल

फरसा वाले बाबा के बाद ड्राइवर की भी मौत, 13 गिरफ्तार, कई हैं रडार पर

मथुरा। मथुरा में कल सड़क हादसे में गौरक्षक फरसा वाले बाबा की मौत हो गई थी। इस दौरान घायल ट्रक चालक ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। कोसीकला थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात ये घटना हुई। पुलिस का कहना है कि घने कोहरे के बीच दो ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई, जिसमें गौ रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसे वाले बाबा की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद फैली अफवाहों ने माहौल तनावपूर्ण कर दिया था। अफवाह फैलाने को लेकर पुलिस ने 13 गिरफ्तारियां की हैं। पुलिस के मुताबिक, यह घटना पूरी तरह से एक सड़क दुर्घटना थी, जो कोहरे के कारण हुई। लेकिन हादसे के बाद कुछ असामाजिक तत्वों ने इसे गौतस्करी से जोड़कर अफवाह फैलानी शुरू कर दी। देखते ही देखते यह मामला तूल पकड़ गया और इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। अफवाहों के चलते कुछ लोगों ने नेशनल हाईवे को जाम कर दिया और पुलिस पर पथराव भी किया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ी। इस मामले में थाना छाता क्षेत्र में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है और अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा दिन बना शनिवार, वर्ल्ड वाइड 500 करोड़ भी पार

धुरंधर-2 को मिली 100 करोड़ की ईदी!

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर 2 ने सिर्फ 3 दिनों में पक्का कर दिया है कि इसका भौकाल हिंदी फिल्मों के इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा। ईद के दिन रणवीर सिंह की इस फिल्म के लिए जनता में ऐसा दीवानापन दिखा कि देशभर में कई थिएटर्स चौबीस घंटे के लिए खुले हैं। कुछ थिएटर्स में एक दिन में ऑलमोस्ट 40 शोज चल रहे हैं, लेकिन फिर भी टिकट बुक करने पर अपनी पसंद की सीटें मिल पाना मुश्किल है। धुरंधर 2 का ये दीवानापन शनिवार को ऐसा बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड लेकर आया, जो पिछले 8 सालों से एक सपना था। शनिवार को, ईद 2026 के दिन धुरंधर 2 ने सिर्फ हिंदी वर्जन से ही 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है।

धुरंधर 2 लेकर आई हिंदी सिनेमा का

सबसे बड़ा दिन- गुरुवार को धुरंधर 2 ने पहली बार बॉलीवुड को दिखाया कि एक दिन में 100 करोड़ कलेक्शन संभव है। इसका नेट ओपनिंग कलेक्शन 102 करोड़ से ज्यादा था, जिसमें हिंदी वर्जन का हिस्सा 99।10 करोड़ था। धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर पहली बार सिर्फ हिंदी से एक दिन में 100 करोड़ कमाने के ऐतिहासिक मोमेंट से बहुत करीब पहुंचकर चूक गई थी। 2018 में जब आमिर खान की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान ने एक दिन में 50 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था, तब से बॉलीवुड फैन्स में ये चर्चा होती रही है कि क्या कभी कोई फिल्म हिंदी में 100 करोड़ का सिंगल डे कलेक्शन कर पाएगी? सैकनिल्क की रिपोर्ट बताती है कि धुरंधर 2 ने ईद के दिन करीब 113 करोड़ नेट इंडिया कलेक्शन किया है। ये किसी बॉलीवुड फिल्म का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन है और इसमें सिर्फ हिंदी वर्जन से 105 करोड़ आए हैं। आदित्य धर की शानदार फिल्म धुरंधर 2 अब हिंदी में 100 करोड़ सिंगल डे कलेक्शन करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले हिंदी में सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन पुष्पा 2 के नाम था।

सबसे तेज 300 करोड़

धुरंधर 2 ने शनिवार की शानदार कमाई के साथ सिर्फ 3 दिन में 300 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया। 5 दिन में 300 करोड़ कलेक्शन का बॉक्स ऑफिस माइलस्टोन पार करने वाली पुष्पा 2 को इसने पीछे छोड़ दिया है। धुरंधर 2 अब सबसे तेज 300 करोड़ कमाने वाली फिल्म है। तीन दिन में फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 339 करोड़ से ज्यादा पहुंच गया। रविवार को सुबह से ही धुरंधर 2 रॉकेट बन चुकी है। आपके सामने ये रिपोर्ट पहुंचने तक धुरंधर 2 करीब 350 करोड़ नेट कलेक्शन के साथ 2026 की सबसे बड़ी बॉलीवुड फिल्म बन चुकी है। 341 करोड़ कमाने वाली बॉर्डर 2 को धुरंधर 2 ने 4 दिन पूरे होने से पहले ही पीछे छोड़ दिया है।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, सोमवार 23 मार्च 2026

नीना गुप्ता की सीख से बदला संदीपा धर का नजरिया,

चुंबक के सेट पर मिली खास सलाह बनी प्रेरणा

फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में सफलता का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। यहां कब कौन-सा काम किसी कलाकार की किस्मत बदल दे, यह पहले से कहना मुश्किल होता है, इसलिए कई अनुभवी कलाकार हमेशा नए कलाकारों को एक ही बात सिखाते हैं- लगातार काम करते रहो और अपने हुनर पर भरोसा रखो। इस कड़ी में एक्ट्रेस संदीपा धर ने भी ऐसा ही एक अनुभव साझा किया है, जिसने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। यह अनुभव उनकी नई वेब सीरीज चुंबक की शूटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां उनकी मुलाकात दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता से हुई। मुलाकात के खास पलों को याद करते हुए संदीपा धर ने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने स्टूडेंट्स के लिए एक शॉर्ट फिल्म की थी, उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि वही काम आगे चलकर उनके लिए नए मौके लेकर आएगा। लेकिन उसी काम की वजह से उन्हें बाद में फिल्म बधाई हो जैसी बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला।

नीना ने लंबे समय तक किया संघर्ष

संदीपा ने माना कि यह बात सुनने में जितनी आसान लगती है, उसे जिंदगी में बनाए रखना उतना ही मुश्किल होता है, लेकिन यह सफलता का मंत्र है, जिसे समझना जरूरी है। नीना गुप्ता ने लंबे समय तक संघर्ष किया और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 1982 में साथ-साथ फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने मंडी, जाने भी दो यारों, त्रिकाल और गांधी जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। उन्होंने टीवी की दुनिया में भी नाम कमाया और 90 के दशक में सांस (1999) और सिस्की जैसे टीवी शो के साथ-साथ क्विज शो कमजोर कड़ी कौन की मेजबानी करके घर-घर में मशहूर हो गईं। उनके करियर में चार चांद तब लगे, जब वह बधाई हो (2018) में नजर आईं। इस फिल्म के लिए उन्होंने फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता।

श्रुति की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी? बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ को लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

मैशेबल इंडिया को दिए गए हालिया इंटरव्यू में श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफ लॉन्ग डिस्टेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।।' श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे इंटरव्यू में बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं। अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपॉर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

मीठा जहर भी बन सकता है गन्ने का रस: ताजगी के नाम पर सेहत से खिलवाड़

नई दिल्ली। गर्मियों की तपती दोपहर हो या थकान से भरा दिन, सड़क किनारे मिलने वाला ठंडा-ठंडा गन्ने का रस हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है। एक गिलास गन्ने का जूस पीते ही शरीर में जैसे नई ऊर्जा का संचार होता है और पलभर में ताजगी महसूस होने लगती है।

यही वजह है कि इसे लोग एक हेल्दी और नेचुरल ड्रिंक मानकर बेझिझक पीते हैं। लेकिन क्या वाकई गन्ने का रस हर किसी के लिए फायदेमंद होता है? क्या इसकी मिठास के पीछे कोई छुपा हुआ खतरा भी है? दरअसल, "नेचुरल" होने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि वह हर स्थिति में पूरी तरह सुरक्षित हो। कई बार यही प्राकृतिक चीजें हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक भी साबित हो सकती हैं, खासकर तब जब शरीर पहले से किसी बीमारी या कमजोरी से जूझ रहा हो। न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स के अनुसार गन्ने के रस में मौजूद अत्यधिक शुगर और कुछ अन्य तत्व ऐसे हैं, जो खास परिस्थितियों में शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

सबसे पहले बात करते हैं उन लोगों की, जो डायबिटीज यानी मधुमेह से पीड़ित हैं। उनके लिए गन्ने का रस किसी मीठे जहर से कम नहीं है। आमतौर पर एक गिलास गन्ने के रस में करीब 40 से 50 ग्राम तक शुगर होती है, जो सीधे खून में जाकर ग्लूकोज लेवल को तेजी से बढ़ा देती है। इसका ग्लाइसेमिक लोड बहुत अधिक होता है, जिससे शरीर इसे बहुत तेजी से अवशोषित कर लेता है। नतीजा यह होता है कि ब्लड शुगर अचानक बढ़ जाता है और मरीज को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कई बार यह स्थिति इतनी खतरनाक हो सकती है कि तत्काल मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ जाए। इसलिए डायबिटीज के मरीजों को गन्ने का रस पीने से बचना चाहिए या डॉक्टर की सलाह के बिना इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

तीन इमली ब्रिज के नीचे सिटी बस और ई रिक्शा की भिड़ंत

खुशबू श्रीवास्तव

तेज रफ्तार से आ रही सिटी बस के टकराव से सवारी से लबालब भरा ई रिक्शा टकरा कर पलटी खा गया उसमें कई महिला एवं पुरुष शामिल थे जैसे ही ई रिक्शा पलटी खाया वहां मौजूद ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत मदद की ओर स्थानीय लोगों की सहायता से ई रिक्शा में फंसे हुए लोगों को जैसे तैसे बाहर निकाला इस घटना से कई लोग घायल भी हो गए पूरी तरह से पलटा हुआ ई रिक्शा को देखकर लोगों का जमावड़ा लग गया ट्रैफिक पुलिस मौके पर मौजूद होने के कारण स्थिति पर काबू पाया गया परन्तु तेज रफ्तार से आ रही सिटी बस सवारी बैठाने की होड़ जोड़ में अगर कही बड़ी दुर्घटना हो जाती तो इसका जिम्मेदार कौन होता क्या किसी की जान से बढ़कर आज पैसा हो गया है और इतनी जल्दी किस बात की पहले ही तीन इमली चौराहे से लेकर पालदा तक भारी वाहन का आना जाना लगा रहता है गरिमत है वोह तो जब ई रिक्शा पलता तब कोई भारी वाहन या ट्रक उस समय पीछे नहीं था नहीं तो बड़ी दुर्घटना हो जाती पुलिस भी बेचारी दिन भर वहां लगी रहती है।

लोगो को समझाइश देने लेकिन सिग्नल की व्यवस्था ना होने के कारण कोई भी कही से भी बीच रस्ते पर निकल जाता है जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है सरकार को तीन इमली ब्रिज के नीचे सिग्नल की व्यवस्था तुरंत करना चाहिए नहीं तो आए दिन ऐसी दुर्घटना होती रहेगी हमारे विशेष संवाददाता नितिन चंदेल मौके पर मौजूद थे जिन्होंने अपने मोबाइल में घटना कैद कर ली।

इंदौर का कैंसर अस्पताल हो रहा सरकारी सुस्ती का शिकार, 2 साल में पूरे करने का दावा, लेकिन ढाई साल बाद भी 2 मंजिल तैयार नहीं

इंदौर। कैंसर मरीजों को आधुनिक इलाज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया गया नए कैंसर अस्पताल का निर्माण कार्य अब खुद सरकारी सुस्ती का शिकार होता नजर आ रहा है। अक्टूबर 2023 में दावा करते हुए प्रोजेक्ट को दो साल में पूरा कर पांच मंजिला अस्पताल तैयार करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी स्थिति यह है कि भवन की दो मंजिल तक पूरी तरह तैयार नहीं हो सकी है।

अस्पताल निर्माण में देरी का असर उन हजारों मरीजों पर पड़ रहा है, जो बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर यहां आते हैं। मध्य प्रदेश ही नहीं, आसपास के अन्य राज्यों से भी मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं, लेकिन अधूरी सुविधाओं के कारण उन्हें निराशा हाथ लग रही है। पीआईयू द्वारा गुजरात की एक कंपनी को अस्पताल के निर्माण का जिम्मा दिया गया है, लेकिन वह ठीक से काम नहीं कर रही है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार अधिकारी भी अस्पताल के निर्माण कार्य को लेकर गंभीर नहीं हैं। यह कैबिन से बाहर निकलकर निरीक्षण करने भी नहीं जाते हैं। निर्माण कार्य में हो रही देरी के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

पुरानी बिल्डिंग और खराब मशीनों से इलाज

फिलहाल कैंसर अस्पताल पुरानी बिल्डिंग में ही संचालित हो रहा है, जहां सुविधाएं सीमित हैं। यहां लगी मशीनें भी बार-बार खराब हो जाती हैं, जिससे मरीजों का इलाज प्रभावित होता है। चिंताजनक है कि अभी भी मरीजों का उपचार कोबाल्ट मशीन से किया जा रहा है, जबकि कई अस्पतालों में उन्नत तकनीकों का उपयोग हो रहा है।

सबसे अधिक हेड एंड नेक कैंसर के मरीज

विशेषज्ञों के मुताबिक पुरुषों में सबसे अधिक हेड एंड नेक कैंसर के मामले सामने आ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण धूमपान है। वहीं महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

45 करोड़ में हो रहा निर्माण

अस्पताल का निर्माण करीब 45 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। 321 बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी हैं, जिनमें लीनियर एक्सलरेटर के लिए बंकर, एचडीआर ब्रेकीथेरेपी मशीन और रेडियोथेरेपी के लिए समर्पित सीटी मशीन शामिल हैं। ये सभी सुविधाएं कैंसर मरीजों के लिए आवश्यक हैं। इसके बावजूद निर्माण कार्य की गति बेहद धीमी बनी हुई है। नए कैंसर अस्पताल का निर्माण कार्य जल्दी हो इसके लिए नोटिस भेजा है। इस संबंध में भोपाल में बैठक भी आयोजित हुई थी। जून तक अस्पताल का निर्माण और लीनियर एक्सलरेटर के लिए बंकर तैयार हो जाएगा। अस्पताल निर्माण को लेकर मानिटरिंग की जा रही है।

इंदौर में अगले महीने सुपर कॉरिडोर से रेडिसन तक शुरू हो सकती मेट्रो रेल, 20 से 80 रुपये होगा किराया

इंदौर। मेट्रो परियोजना के पहले चरण के दूसरे प्रायोरिटी कॉरिडोर का विगत दिनों कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) द्वारा निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। निरीक्षण के बाद अब एनओसी का इंतजार है। एनओसी जारी होते ही सुपर कॉरिडोर के स्टेशन नंबर-2 से रेडिसन तक मेट्रो का संचालन शुरू हो सकेगा। संभावना है कि मार्च के आखिरी सप्ताह में एनओसी मिल जाएगी और अप्रैल से शहर तक मेट्रों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। सीएमआरएस ने कुछ स्थानों पर सुधार के निर्देश जारी किए हैं, जिनका सुधार मेट्रों के अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है।

गांधी नगर डीपों से सुपर कॉरिडोर स्थित स्टेशन नंबर-2 तक छह किमी हिस्से में मेट्रों का संचालन किया जा रहा है। आने वाले दिनों में 11 किमी में मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा। ऐसे में पहले चरण के 17 किमी हिस्से में जल्द ही मेट्रो दौड़ने लगेगी। सीएमआरएस नीलाभ्र सेनगुप्ता ने अपनी छह सदस्यीय टीम के साथ चार दिवसीय निरीक्षण के दौरान बायडक्ट, बिजली सप्लाई, स्टेशन की व्यवस्थाओं के साथ ही ब्रेकिंग सिस्टम की जांच की थी।

गांधी नगर डिपो से सुपर कॉरिडोर तक मेट्रो का संचालन पहले होने से मेट्रो के अधिकारियों को पहले से पता था कि सीएमआरएस के निरीक्षण के दौरान किस तरह की तैयारी करनी होती है। ऐसे में दूसरे दौर में इसके अनुसार ही तैयारी की गई थी। इस पूरे रूट पर मेट्रो का संचालन शुरू करने के लिए किराया पहले ही तय किया जा चुका है। इसमें 20 से 80 रुपये के करीब किराया वसूला जाएगा।